रजिस्ट्रेशन संख्या :– R.N.I. 36355/79
डाक पंजीकरण संख्या :– के पी सिटी– 67/2021–23

अधिकार किसको जानने के लिए भारत सरकार की वेबसाइट www.dhr.gov.in लॉगिन कर क्लिक करें अल्टरनेटिव मेडिसिन तथा गज़ट पढ़ने हेतु log in करें www.behm.org.in

चिकित्सा–विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निष्पक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

हर घर तिरंगा

पत्र व्यवहार हेतु पता :–
सम्पादक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट
127/204 'एस' जूही, कानपुर–208014
सम्पर्क सूत्र :– 9450153215 , 9415074806 , 9415486103

वर्ष – 44 ● अंक – 15 ● कानपुर 1 से 15 अगस्त 2022 ● प्रधान सम्पादक – डा0 एम0 एच0 इदरीसी ● वार्षिक मूल्य ₹ 100

निरन्तर बढ़ रहे है सफ़लता की तरफ़

इहमाई के 45वें स्थापना दिवस पर विशेष

इलेक्ट्रो होम्योपैथी के कदम लगातार सरकारी संरक्षण की तरफ़ बढ़ रहे हैं और जो काम वर्षों में संभावित था वह काम अब कुछ ही महीनों में हो जाना है, इस कार्य के लिए उन सभी लोगों को साधुवाद जिनका विश्वास और श्रद्धा इलेक्ट्रो होम्योपैथी से जुड़ी रही और उसी का परिणाम है कि हमारे साथियों की वर्षों की प्रतीक्षा का समय अब समाप्त होने की कगार पर है, यह विचार इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया के 45 वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया के अध्यक्ष डा0 एम0 एच0 इदरीसी ने व्यक्त किये, डा0 इदरीसी ने कहा कि आज से 45 वर्ष पूर्व जब इस संगठन की स्थापना हुई थी तब यह कल्पना भी नहीं की थी कि आने वाले दिनों में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के इस संगठन को इतने बड़े दायित्व को निभाने का अवसर प्राप्त होगा, तमाम उतार चढ़ाव के बाद इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आन्दोलन को ज़िन्दा रखा और लगातार राज्य और केन्द्र सरकार पर इस बात का दबाव डाला कि अन्य चिकित्सा पद्धतियों की भाँति इलेक्टो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति को भी शासकीय संरक्षण प्राप्त हो जिससे कि इस विधा से जुड़े चिकित्सकों का मनोबल ऊँचा हो और उनके कार्यों का उचित मूल्यांकन हो, निःसन्देह यह चिकित्सा पद्धति गुणकारी और लाभकारी है और इस विधा के चिकित्सक अपनी पूरी क्षमता के साथ कार्य भी कर रहे हैं कार्य करते हुए समाज को लाभ भी पहुँचा रहे हैं परन्तु किसी शासकीय मूल्यांकन इकाई के गठित न होने के कारण हमारे चिकित्सकों को उनकी योग्यता का पूर्ण लाभ नहीं मिल पा रहा है।

यद्यपि 21 जून, 2011 को भारत सरकार के स्वास्थ्य मन्त्रालय के एक महत्वपूर्ण आदेश पारित होने से इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया को एक स्वतन्त्र नियामक संगठन का स्तर प्राप्त हो गया है, इसी के साथ पूरे देश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी की शिक्षा, चिकित्सा व अनुसंधान के अवसर भी प्रदान किये गये हैं परन्तु अभी भी पूर्ण संरक्षण की आवश्यकता है इस हेतु (EHMAI)इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया लगातार भारत सरकार के सम्पर्क में रही, पत्र व्यवहार व व्यक्तिगत सम्पर्क के माध्यम से अपनी बात कही गयी 28 फरवरी, 2017 को भारत सरकार ने जो पत्र जारी किया वह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि सरकार इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए सकारात्मक रुख अपनाये हुए है और हम इस बात के लिए आश्वस्त हैं कि आने वाले कुछ दिनों में ही कुछ महत्वपूर्ण निर्णय होंगे जिसमे इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया निर्णायक भूमिका में होगी, कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए के महासचिव डा0 अतीक अहमद ने कहा कि वर्षों की प्रतीक्षा समाप्त हो रही है अब हम सब को सुखद दिनों के आनन्द का अवसर मिलने वाला है, यही वह समय है जब हम सबको अपने निर्णयों पर विशेष ध्यान देना होगा और सिर्फ़ पैथी हित के लिए ही सोचना होगा डा0 अतीक अहमद ने इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया के गठन और उसकी स्थापना पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि अलग अलग चिकित्सकों को एक सूत्र में बांधने व उनके अधिकारों को दिलाने के उद्देश्य से इस संगठन का गठन किया गया जब यह संगठन अस्तित्व में आया था तब शायद किसी ने यह कल्पना भी नहीं की थी कि आने वाले दिनों में यही एक मात्र ऐसा संगठन होगा जो इलेक्ट्रो होम्योपैथी की दिशा और दशा बदलने में निर्णायक भूमिका का निर्वाहन करेगा, हम आज स्थापना दिवस के अवसर पर अपने उन सभी साथियों को धन्यवाद ज्ञापित करना नहीं भूलेंगे जिनका सहयोग और समर्थन हमें प्राप्त होता रहा है और अपने चिकित्सक साथियों का भी धन्यवाद जो हर स्थिति में हमसे जुड़े रहे यह सब आपके प्यार का परिणाम है जो एक संगठन के रूप में आपके सामने है, मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि आने वाला समय इलेक्ट्रो होम्योपैथी का ही है डा0 अतीक ने कहा कि अब वह समय आने वाला है जब हम सबको अपने अपने दायित्वों का पालन ईमानदारी के साथ करना होगा।

कार्यक्रम को विचार देते हुए इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया के संगठन मंत्री डा0 मिथलेश कुमार मिश्रा ने कहा कि संगठन का काम सबसे कठिन होता है, हर एक के विचारों से तालमेल बैठाना बहुत मुश्किल होता है परन्तु आप सबके सहयोग से मैं अपने आपको धन्य मानता हूँ कि इतने विशाल संगठन में कहीं मतभेद नहीं है और यही एकजुटता हमें कार्य करने के लिए प्रेरणा देती है, मैं आभारी हूँ अपने संगठन के अध्यक्ष जी का जिन्होंने हमपर भरोसा किया और इतना महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा आज हमें प्रसन्नता है कि इस 45 वें स्थापना दिवस के अवसर पर हम कह सकते हैं कि आने वाला समय इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति का है, जिस गति से सरकारी कार्यवाही चल रही है वह इस बात का संकेत दे रही है कि प्रतीक्षा की घड़ियां समाप्त हो चुकी हैं और एक सुखद स्थिति की तरफ़ हम बढ़ रहे हैं।

संगठन की कोषाध्यक्ष श्रीमती शाहीना इदरीसी ने कहा कि कोष को सम्भालने में मुझे उतनी खुशी नहीं हुई जितनी आज हो रही है कि आने वाले समय में इलेक्ट्रो होम्योपैथी को सफ़लता मिलने वाली है और इस सफ़लता का श्रेय इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया का है, इस सफ़लता की जो पूंजी है वह सारे कोषों से बहुत ऊपर है, मैं उन सब साथियों को बधाई देना चाहती हूँ जिनके स्नेह से आज हम इस स्थिति तक पहुँचे, स्थापना दिवस के इस अवसर पर मैं डा0 इदरीस खान साहब (केन्द्रीय सचिव) को धन्यवाद देना नहीं भूलूंगी जिनके अन्दर अस्वस्थता और आयु के प्रभाव के बावजूद भी इलेक्ट्रो होम्योपैथी के प्रति प्रेम कम नहीं हो रहा है, मैं डा0 इदरीसी से भी निवेदन करना चाहूंगी कि वह आन्दोलन को और गति प्रदान करें क्योंकि सारा भारत आपकी तरफ़ देख रहा है।

इसी क्रम में कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया के राष्ट्रीय महासचिव डा0 प्रमोद शंकर बाजपेयी (स्मृति पेज) का भी स्मरण किया गया।

जब लक्ष्य करीब आता दिख रहा हो तब उस समय हर कदम बहुत समझबूझ कर उठाना होता है, यह सौभाग्य है कि मतभिन्नता होने के उपरान्त भी इलेक्ट्रो होम्योपैथी को शासकीय संरक्षण के मामले पर पूरे राष्ट्र में मतैक्यता दिखायी पड़ रही है और यही इलेक्ट्रो होम्योपैथी की विजय का मूल आधार है 28 राज्यों और 8 केन्द्र शासित प्रदेशों से इलेक्ट्रो होम्योपैथी की एक ही आवाज आ रही है और वह आवाज़ है कि हम एक हैं।

आज के दिन की आप सबको बधाई इस अपेक्षा के साथ कि आने वाला समय हम सबके लिए आनन्द दायक है, कार्यक्रम में मुख्य रूप से डा0 वाई0 आई0 खान, डा0 प्रमोद सिंह, डा0 राम अवतार कुशवाहा ने अपने अपने विचारों को व्यक्त किया डा0 क्षितिज बाजपेई एवं श्री नसीम आदि उपस्थित थे।

इहमाई के 45 वें स्थापना दिवस के अवसर पर इहमाई की उपलब्धियां बताते हुये डा0 एम0 एच0 इदरीसी

बैठक स्थिगित

भारत सरकार

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग)

द्वारा गठित अन्तर विभागीय समिति

I.D.C. की अति महत्वपूर्ण

बैठक जो 27 जुलाई, 2022

को प्रस्तवित थी स्थिगित कर

दी गयी इस आशय का पत्र

भारत सरकार

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,

स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग

द्वारा जारी किया गया जो

पाठकों की जानकारी हेतु प्रस्तुत है

By Speedpost / E-mail

No. U.11018/06/2021-HR (ASM)/ 8116107
Government of India
Ministry of Health and Family Welfare
(Department of Health Research)
*****

IRCS Building, 2nd Floor,
1, Red Cross Road, New Delhi-110001.
Dated, the 20th July, 2022.

To

M/s Joint Proposalist Electrohomeopathy Committee,
(Dr. Kuldip Tiwari),
E-10/476, 33 Futa Road, Nehru Vihar,
Delhi-110094.

Subject: List of the names of the representatives and convenant will participate on 27/07/2022 virtual meeting.

Sirs,

Please refer to 'Joint Proposalist Electrohomeopathy Committee' (JPEHC)'s letter no. JPEHC/July/22/101, dated 11.07.2022, on the above subject.

2. This is to intimate that **IDC's virtual meeting, scheduled on 27.07.2022 at 10.30 A.M.**, to consider the proposal for recognition of Electrohomeopathy as a system of medicine, now **stands postponed** due to compelling circumstances. Fresh schedule for the meeting will be intimated in due course, after it is finalised.

Yours faithfully,
(D.R. Meena)
Director

बैठक के स्थगन के सम्बंध में सूत्रों द्वारा ज्ञात जानकारी के अनुसार अन्तर विभागीय समिति के अनेक सदस्यों ने बैठक में सम्मिलित होने में असमर्थता व्यक्त की है, इसके पूर्व भी नेशनल मेडिकल कमीशन (NMC) के प्रतिनिधि ने भी लिखित रुप से बैठक में सम्मिलित होने में अपनी असहमति जतायी थी जिसका (IDC) अन्तर विभागीय समिति ने अपनी कार्यवाही में उल्लेख भी किया है, जबकि सोशल मीडिया पर अनेकों अन्य कारण बताये जा रहे हैं, कोई बता रहा है कि 30 जून, 2022 को अन्तर विभागीय समिति को जो दस्तावेज प्रस्तुत किये गये हैं उनका परीक्षण नहीं हो पा रहा है क्योंकि साक्ष्य व अभिलेख बहुत अधिक हैं साथ ही यह प्रकरण अति महत्वपूर्ण होने के कारण सरकार किसी भी प्रकार की चूक से बचना चाहती है जिससे प्रकरण को सकारात्मक दिशा में निस्तारित करने में कोई कसर बाकी नहीं रहे, वहीं दूसरी ओर कुछ दावेदार सोशल मीडिया पर कह रहे हैं कि जबतक सरकार हमें सम्मिलित नहीं करेगी तबतक कोई निस्तारण नहीं होगा सच क्या है ? एक न एक दिन सामने अवश्य आयेगा।

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया का 45 वां स्थापना दिवस मनाया गया

हमीरपुर — शहर स्थित पटकाना मोहाल में इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन आफ इण्डिया का 45 वां स्थापना दिवस मनाया गया। जिसमें बुन्देलखण्ड के प्रभारी डा0 नरेन्द्र भूषण निगम ने डा0 मैटी के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि 3 जुलाई 2019 को भारत सरकार ने स्पष्ट किया है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी की प्रैक्टिस एवं एजूकेशन पर कोई रोक नही है यदि भारत सरकार के अनेदश दिनांक 25 नवम्बर 2003 के प्राविधानों के अनुसार किया जाता हो।

विदित हो कि इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन आफ इण्डिया के प्रबल प्रयासो से ही 21 जून 2011 को सभी राज्य सरकारों एवं केन्द्र शासित प्रशासनो को अति स्पष्ट निर्देश जारी किये गये जिसकी पुष्टि भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग ने अपने पत्र दिनांक 21 दिसम्बर 2017 में की। इसी क्रम में डा0 मानसी ने कहा कि इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक 25 नवम्बर 2003 के आदेशानुसार चिकित्सा कार्य करें, जिला होम्योपैथिक प्रभारी डा0 गणेश सिंह ने कहा कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति से कार्य अपने समस्त निर्देश का पालन करते हुए जिला पंजीयन कराकर ही करें। इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक मेहर मधुर निगम ने कहा कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी के चिकित्सा शिविर आयोजित कर लोगो को इस हानि रहित चिकित्सा पद्धति से रोगियों को रोग मुक्त करने में तेज गति से कार्य करें, कार्यक्रम में डा0 नसता, डा0 अरशद अन्सारी, डा0 देवानन्द सागर, डा0 रंजना आदि ने भी अपने विचार रखे।

रायबरेली— इलेक्ट्रो होम्योपैथिक के कदम लगातार सरकारी संस्थान की ओर बढ़ रहे है और जो काम वर्षों से सम्भावित था वह काम अब कुछ महीनों में ही हो जायेगी यह विचार इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन आफ इण्डिया के 45 स्थापना दिवस के अवसर पर रायबरेली शाखा के इलेक्ट्रो होम्योपैथिक जिला प्रभारी डा0 रमेश कुमार द्विवेदी ने छजलापुर स्थित कार्यालय में चिकित्सकों की एक बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा।

इस अवसर पर त्रिलोक सिंह ने कहा कि इलेक्ट्रो होम्योपैथिक निःसन्देह गुणकारी और लाभकारी है इस विधा के चिकित्सक अपनी पूरी क्षमता के साथ प्रैक्टिस कर रहे है। उक्त कार्यक्रम में डा0 लालतासन,डा0 सत्यपाल,वर्मा,डा0 राम आसरे,डा0 सौरभ वैश्य,डा0 अतुल कुमार,डा0 मलखान,डा0 रागवेन्द्र,डा0 राजेन्द्र सिंह,डा0 छोटे लाल आदि चिकित्सक ने अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम की अध्यक्षता आयुष द्विवेदी तथा संचालन डा0 सुनील कुमार ने किया।

नोट:— स्थापना दिवस से सम्बंधित समाचार व फोटो पेज 3 एवं 4 पर भी है। सम्पादक

इटमाई के 45वे स्थापना दिवस के अवसर पर अवध इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट के निदेशक डा0 आर के कपूर व प्राचार्य डा0 आसुतोष कपूर द्वारा कार्यक्रम का शभारम्भ मैटी को माल्यार्पण के बाद किया गया।

इटमाई के 45वे स्थापना दिवस के अवसर पर बुन्देल खण्ड इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर में जिला इलेक्ट्रो होम्योपैथिक कार्यालय हमीरपुर के प्रभारी अधिकारी डा0 गणेश सिंह व डा0 मानसी

इलेक्ट्रो होम्योपैथों को प्रैक्टिस का पूरा अधिकार

बस आप अपने नाम के पूर्व EH Dr. ... लिखना चालू कर दें

प्रायः जुलाई और अगस्त के महीने शैक्षणिक प्रवेश के महीने होते हैं, इन दो महीनों में हर शैक्षिक संस्थान यह पूरा प्रयास करता है कि उनके संस्थान में अधिक से अधिक छात्र प्रवेश लें इस हेतु हर संस्थान अपनी सुविधा के अनुसार छात्रों को आकर्षित करने के लिए विज्ञापन आदि करते हैं और अपनी विशेषताओं व भावी योजनाओं को भी बताते हैं बहुत सारे संस्थान नौजवानों को आकर्षित करने के लिए अपने ही संस्थान को देश का सर्वोत्तम संस्थान बताते हैं और बड़े–बड़े दावे करते हैं, हद तो तब हो जाती है जब यह संस्थान यह दावा करने लगते हैं कि उनके संस्थान से निकले हुए हर छात्र को रोज़गार की गारन्टी दी जाती है, यह बात कितनी सच साबित होती है यह तो कोर्स पूरा करने के उपरान्त निकले छात्र ही बता सकते हैं, इलेक्ट्रो होम्योपैथी संस्थानों में भी आजकल प्रवेश का वातावरण चल रहा है, जो भी संस्थान कार्य कर रहे हैं वह भी आपस में एक दूसरे से बढ़–चढ़ कर दावे करते हैं और अपने–अपने स्तर से प्रचार भी करते हैं, प्रचार करना आवश्यक भी है और समय की मांग भी है, परन्तु प्रचार करते समय यह ध्यान रखना चाहिये कि ऐसी कोई बात न प्रचारित की जाये जो समय आने पर कसौटी पर खरी न उतरे, इलेक्ट्रो होम्योपैथी एक चिकित्सा विज्ञान है जो कि अधिकार प्राप्त है और पूरे अधिकार के साथ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों को चिकित्सा का अधिकार प्रदान करती है आज बहुत सारे लोग इलेक्ट्रो होम्योपैथी कोर्सों की तुलना पैरामेडिकल कोर्सों से कर रहे हैं और तरह–तरह के भ्रम फैला रहे हैं एक बात हर समझदार व्यक्ति को जान लेना चाहिये कि अपने देश में चिकित्सा के लिए दो तरह की व्यवस्थायें हैं एक पूर्ण चिकित्सा पद्धति जिसे कि एलोपैथी या वेस्टर्न मेडिकल साइंस कहते हैं दूसरी व्यवस्था है जो एलोपैथी से इतर चिकित्सा विज्ञान हैं उन्हें वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति कहते हैं, इन वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों में आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी, योगा, नेचुरोपैथी, सोवा–रिग्पा व इलेक्ट्रो होम्योपैथी आदि हैं, पैरामेडिकल कोर्स सहायक के तौर पर चलाये जाते हैं, पैरामेडिकल कोर्सों को प्रैक्टिस करने का स्वतंत्र अधिकार प्राप्त नहीं है, वह केवल सहायक अथवा संयुक्त रूप में कार्य कर सकते हैं जबकि इलेक्ट्रो होम्योपैथी कोर्स पूर्ण करने के उपरान्त व्यक्ति को स्वतंत्र रुप से प्रैक्टिस करने का पूरा अधिकार प्राप्त होता है, जो लोग यह कहते हैं कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी से बेहतर पैरामेडिकल कोर्सेस हैं उन्हें अपनी सोच में परिवर्तन लाना होगा कि पैरामेडिकल कोर्सेस सहायक बनाते हैं न कि चिकित्सक।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी कोर्स करने के उपरान्त विधिवत पंजीकरण कराकर कोई व्यक्ति देश के किसी भी कोने में इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा विधा से चिकित्सा व्यवसाय कर सकता है तथा स्वावलम्बी होकर धन और यश दोनों अर्जित कर सकता है, सरकार से लगातार पत्र व्यवहार व कार्यवाहियां चलती रहती हैं बहुत सम्भव है कि किसी भी दिन इलेक्ट्रो होम्योपैथी को वह सबकुछ प्राप्त हो जाये जो अन्य पद्धतियों को प्राप्त है।

आज की स्थिति में इलेक्ट्रो होम्योपैथी को अन्य मान्यता प्राप्त चिकित्सा पद्धतियों की भाँति ही चिकित्सा व्यवसाय करने के पूरे अवसर प्राप्त हैं इसलिए हमें अपने प्रचार में इस बात को प्रमुखता से प्रचारित करना चाहिये कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी अधिकार प्राप्त चिकित्सक बनाती है और यही पैथी है जो पूरे अधिकार के साथ अन्य चिकित्सा पद्धतियों की तरह चिकित्सा व्यवसाय हेतु अधिकृत है, इस बारे में भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा 21 जून, 2011 को आदेश जारी किया जा चुका है और प्रदेश में 4 जनवरी, 2012 को बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के लिए शासनादेश जारी किया जा चुका है यद्यपि इन आदेशों को लागू हुए लगभग 10–11 वर्ष पूरे हो चुके हैं लेकिन बड़ी संख्या में पैरामेडिकल विद्यालय चल रहे हैं जिनमें से हजारों प्रतिवर्ष कोर्स पूरा करके बाहर निकलते हैं उनमें से कितनों को नौकरी मिलती है इस बात के गवाह आंकड़े स्वयं हैं, यह सत्य है कि अभी इलेक्ट्रो होम्योपैथी को शासकीय सेवा में अवसर नहीं प्राप्त हो रहा है लेकिन ऐसा भी नहीं है कि इसकी सम्भावनायें न हों, सम्भावनायें प्रतिपल बनी रहती हैं और हमें विश्वास है कि निश्चित तौर पर इलेक्ट्रो होम्योपैथ भी एक दिन शासकीय सेवा का अंग बनेंगे और अपनी उत्कृष्ट सेवाओं से जनता और समाज का ध्यान आकर्षित करेंगे।

सम्भवतः प्रचार की कमी के कारण लोगों तक अभी भी इन आदेशों की जानकारी नहीं है इसलिए जानकारी के अभाव में लोग बाग तरह–तरह के तर्क वितर्क करते रहते हैं, यद्यपि प्रवेश के सम्बन्ध में अभी तक अच्छी रिपोर्ट उपलब्ध हो रही है प्रदेश में जहाँ–जहाँ भी बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 से सम्बद्ध विद्यालय व केन्द्र संचालित हो रहे हैं वहाँ से नव प्रवेशार्थियों के बारे में अच्छी सूचनायें प्राप्त हो रही हैं, ऐसा अनुमान है कि इस वर्ष प्रवेशार्थियों की संख्या में अच्छी खासी वृद्धि होगी और इलेक्ट्रो होम्योपैथी का परिवार और मजबूत होगा, जिन संस्थानों या केन्द्रों में अभी शिथिलता चल रही है उन संचालकों को चाहिये कि वे आक्रामक प्रचार करें और अपने आस–पास निःशुल्क चिकित्सा शिविरों का आयोजन करें इन शिविरों के माध्यम से जनता की सेवा भी होती है और लोगों का यह भ्रम भी दूर होता है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी से प्रैक्टिस करने का अधिकार नहीं है, लोगों में जागरूकता पैदा करना चाहिये और यह सन्देश देना चाहिये कि निजी क्षेत्र में प्रदेश में आज सिर्फ इलेक्ट्रो होम्योपैथी ही एक मात्र ऐसी चिकित्सा विधा है जो सम्मान पूर्वक ढंग से चिकित्सा का पूरा अधिकार देती है, जो लोग इलेक्ट्रो होम्योपैथी कोर्सों की तुलना पैरामेडिकल कोर्सों से करते हैं उन्हें भी स्पष्ट रूप से बता दीजिए कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी कोर्स करने के बाद छात्र स्वतन्त्र रूप से चिकित्सा व्यवसाय कर सकता है और अपने अधीन किसी भी सहायक को रख सकता है जबकि पैरामेडिकल कोर्स करने के बाद छात्र सिर्फ प्रशिक्षित सहायक के रूप में ही कार्य कर सकता है, यदि कोई पैरामेडिकल छात्र स्वतन्त्र रूप से प्रैक्टिस करता है वह अधिकारों का अतिक्रमण करता है जबकि इलेक्ट्रो होम्योपैथ अधिकार पूर्वक प्रैक्टिस करता है।

कुछ हो या न हो आज जब हर तरफ छात्र अपने भविष्य के प्रति चिन्तित हैं और कैरियर के प्रति जागरूक है इसलिए कोर्सों का चयन बहुत ही समझबूझ कर करता है ऐसे छात्र जो चिकित्सा के क्षेत्र में अपने को आज़माना चाहते हैं उनके लिए इलेक्ट्रो होम्योपैथी कोर्स एक बेहतर विकल्प के रूप में उपलब्ध है, जीव विज्ञान के क्षेत्र में सम्भावनायें सीमित हैं जीव विज्ञान का छात्र पहले तो चिकित्सक बनना चाहता है यदि किसी कारण से वह चिकित्सक नहीं बन पाता है तभी अन्य विकल्प तलाशता है, उन विकल्पों में बायोटेक्नोलॉजी व पैरामेडिकल कोर्सेस हैं लेकिन इन्हीं में वह छात्र भी होते हैं जिनका स्वयं का व अभिभावकों का सपना होता है कि उनका अपना पाल्य डाक्टर बने ऐसे लोगों के लिए सिर्फ और सिर्फ इलेक्ट्रो होम्योपैथी ही एकमात्र सहारा है, वर्तमान में चिकित्सा जगत में सिर्फ इलेक्ट्रो होम्योपैथी विधा के कोर्स ही विधिक रूप से स्वीकार व मान्य हैं और इलेक्ट्रो होम्योपैथिक कोर्सों को कराने के लिए उत्तर प्रदेश में सिर्फ उ0प्र0 शासन द्वारा अधिकृत संस्थान है बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 इसलिए जब भी कभी आप इलेक्ट्रो होम्योपैथी से सम्बन्धित कोर्सों में प्रवेश लेना चाहें तो इस बात से भलीभाँति सन्तुष्ट हो जायें कि जिस संस्थान से आप अपने पुत्र या आश्रित को कोर्स कराने जा रहे हैं उसकी वैधानिक स्थिति क्या है?

- ✓ इलेक्ट्रो होम्योपैथी ही देती है प्रैक्टिस का अधिकार
- ✓ विधिक व अधिकृत संस्थानों में ही लें प्रवेश
- ✓ बोर्ड के अलावा प्रदेश स्तर पर कोई अधिकृत नहीं
- ✓ पैरामेडिकल से तुलना ठीक नहीं
- ✓ कार्य करने के हैं पूरे अवसर

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक की स्थिति बदल रही है

— डा0 प्रमोद कुमार मौर्या

जौनपुर– इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन आफ इण्डिया का 45 स्थापना दिवस जौनपुर इकाई ने बड़े धूमधाम से मनाया। उक्त अवसर पर डा0 प्रमोद कुमार मौर्य ने कहा कि 3 जुलाई 2019 का जो भारत सरकार का पत्र है उससे स्पष्ट हो गया है यदि भारत सरकार के आदेश दिनांक 25 नवम्बर,2011 के प्राविधानों के अनुसार किया जाता है क्योंकि इलेक्ट्रो होम्योपैथिक एसोसिएशन के प्रयास से 21 जून 2011 को सभी राज्य सरकारों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों को निर्देश जारी किया गया है।

स्थापना दिवस पर मौजूद लोग।

जिसकी पुष्टि भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने अपने पत्र दिनांक 21 दिसम्बर 2017 में की है जिला पंजीयन अधिकारी डा0 शोयब नदीम हुसैन ने कहा कि जो भी चिकित्सक इलेक्ट्रो होम्योपैथिक से प्रैक्टिस कर रहे है वे पंजीकरण कराकर प्रैक्टिस करें। उक्त अवसर पर मुख्य रूप से डा0 संदीप यादव ,डा0 शैलेन्द्र वर्मा,डा0 अशोक विश्वकर्मा आदि मौजूद रहे।

चिकित्सक अपनी पूरी क्षमता के साथ प्रैक्टिस कर रहे है। उक्त कार्यक्रम में डा0 लालता राम, डा0 सत्यपाल,वर्मा,डा0 राम आसरे, डा0 सौरभ वैश्य, डा0 अतुल कुमार, डा0 गलखान, डा0 रागवेन्द्र, डा0 राजेन्द्र सिंह, डा0 छोटे लाल आदि चिकित्सक ने अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम की अध्यक्षता आयुष द्विवेदी तथा संचालन डा0 सुनील कुमार ने किया।

बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0

(स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आदेश प्राप्त, इहमाई द्वारा अनुमोदित)

8— लालबाग, कमला शर्मा मार्ग, लखनऊ—226001
प्रशा0 कार्यालय : 127/204 "एस" जूही, कानपुर—208014
website- www.behm.org.in Email: registrarbehmup@gmail.com

प्रवेश सूचना

F.M.E.H. दो वर्ष (चार सेमेस्टर) – इण्टरमीडियेट अथवा समकक्ष

G.E.H.S. चार वर्ष+(1 वर्ष इन्टर्नशिप) – 10+2 जीव विज्ञान अथवा समकक्ष

P.G.E.H. दो वर्ष – G.E.H.S अथवा चिकित्सा स्नातक

C.E.H. एक वर्ष – हाई स्कूल अथवा समकक्ष

A.C.E.H. एक सेमेस्टर – किसी भी चिकित्सा पद्धति में न्यूनतम दो वर्ष का पाठ्क्रम उत्तीर्ण (इलेक्ट्रो होम्योपैथी 30 अप्रैल, 2004 से पूर्व/पैरा मेडिकल /किसी राजकीय चिकित्सा परिषद द्वारा पंजीकृत/ सूचीकृत चिकित्सक)

विस्तृत जानकारी हेतु बोर्ड की अधिकृत संस्थाओं से सम्पर्क करें अथवा **www.behm.org.in पर log in** करें।

LIST OF AUTHORISED INSTITUTIONS

Code	Name of InstituteAddress & District	Name of Principal	Name of Manager & Mobile No.
1	Ashish Electro Homoeopathic Medical Insitute, Chajlapur, Po: I.T.I.,Door Bhash Nagar, Raibareli	Dr. P. N. Kushwah	Dr. P.N. Kushwaha , 9415177119
3	Awadh Electro Homoeopathic Medical Insitute, Shri Om Sai Dham,Indrpuri Colony,Sitapur Road, Lucknow	Dr. R. K. Kapoor	Smt. Sunita Kapoor , 8299165010
4	Indira Gandhi Electro Homoeopathic Medical Insitute, Near Bhagva Chungi, Naya Mal Godam Road, Pratapgarh	VACANT	VACANT
5	Bhagwan MahaveerElectro Homoeopathic Insitute, Pan Dareeba, Jaunpur	Dr. Pramod Kumar Maurya	Smt. Sushila Maurya , 9451162709
6	Maa sarju Devi Electro Homoeopathic Medical Insitute, 2537 - Mishrana, Lakhimpur	Dr. R. K. Sharma	R.K. Sharma , 8115546675
7	Mahoba Electro Homoeopathic Institute, Behind Block Office Subhash Nagar, MAHOBA-210427	Dr. Ajai Barsaiya	Smt. Rajni Awasthi , 8423596191
11	Chandpar Electro Homoeopathic Medical Insitute, Anjan Shaheed, Azamgarh	Dr. Mushtaq Ahmad	Dr. Iftekhar Ahmad,9415358163
13	Azad Electro Homoeopathic Medical Insitute, Kintoor, Barabanki	Dr. Habib-ur- Rahman	Dr. Habib-ur-Rehman, 8052791197
14	Fatehpur Electro Homoeopathic Medical Insitute, Deviganj, Fatehpur	VACANT	Dr. Afzal Ahmad Kazmi, 9450332981
15	Electro Homoeopathic Medical Insitute , Mahmanabah, Near Charkhamba,Shahjahan pur	Dr. Ammar-Bin-Sabir	Dr.S.A. Siddique, 9336034277
16	Shahganj Electro Homoeopathic Medical Insitute , Behind Mahila Hospital, Dihawa Bhadi,Shahganj, Jaunpur	Dr. S. N. Rai	Dr. Rajendra Prasad, 9450088327
17	Prema Devi Electro Homoeopathic Medical Institute, Siddharth Children Campus, Arya Nagar, Siddharth Nagar	Dr. Ved Prakash Srivastav	Dr. V.P. Srivastav 9415669294

LIST OF AUTHORISED STUDY CENTRES

Code	Head of Centre	Address	District	Mobile No	E-mail
51	Dr. Adil M. Khan	Parsauni Kala,Padrauna	KUSHI NAGAR	9836131988	WhatsApp No: 7985063850
52	Dr. Pradeep Kumar Srivastava	8/366 Tube Well Colony	DEORIA	9415826491	
53	Dr. Bhoop Raj Shrivastava	120-Basheerganj	BAHRAICH	9451786214	
55	Dr. Ayaz Ahmad	Beneath K.G.S. Gramir Bank, Walidpur	MAU	9305963908	
56	Dr. Gaya Prasad	Aarti Electro Homoeopathic Study Centre, Barkhera, Kalpi	JALAUN	8874429538	
57	Dr. N. Bhushan Nigam	B.K.E.H. Study Centre, Patkana	HAMIRPUR	9889426312	
59	Dr. Mohammad Israr Khan	Araw Road, Sirsaganj	FIROZABAD	9634503421	
60	Dr. Mohd. Akhlak Khan	128- Katra Purdal Khan	ETAWAH	7417775346	
61	Dr. Shiv Kumar Pal	Prem Nagar, Dak Banglow Bye Pass Road	FIROZABAD	9027342885	
62	Dr. Pundreek Tripathi	Hameed Nagar Ward No-3, Nautanwa	MAHARAJGANJ	7398941680	mpsr31@gmail.com
63	Dr. Ram Autar Kushwaha	Kushwaha Electro Homoeopathic Clinic & Study centre	KANPUR	9793264649	

LIST OF AUTHORISED STUDY/GUIDENCE CENTRES OTHER STATE

Code	Head of Centre	Address	District	Mobile No	E-mail
81	Dr. Devendra Singh	374/4 Shahid Bhagat Singh Colony, Karawal Nagar	DELHI-110090	9818120565	9873609565
82	Dr. Pankaj Kumar	Kaithi P.S. Chautham	KHAGARIA-851201	7549417934	

LIST OF AUTHORISED EXAMINATION CENTRES

Code	Head of Centre	Address	District	Mobile No	E-mail
91	Dr. P. K. Ragahav	Khurja	BULAND SHAHAR	9837897021	
92	Dr. S.K. Saxena	Parker College Road	MORADABAD	8171869605	
93	Electro Homoeopathic Exam	Registrar B.E.H.M. U.P. Kanpur Campus	KANPUR	0512-2970704	
95	Dr. Vikas	303/6 Gyan Nagar, Purkhas Road	SONIPAT-131001	9639300426	7302653934

Registrar

बी0ई0एच0एम0 के लिए डा0 अतीक अहमद द्वारा गजट प्रेस 126 टी/22 'ए' रामलाल का तालाब, जूही, कानपुर–208014 से मुदित एवं मिथलेश कुमार मिश्रा द्वारा कम्प्यूटराइज्ड करा कर 9/1 पीली कालोनी, जूही, कानपुर–208014 से प्रकाशित किया।